भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-544

दिनांक 04 फरवरी, 2026 के लिए प्रश्न

पशुधन क्षेत्र के लिए व्यापक राष्ट्रीय ढांचे की आवश्यकता

544. डॉ. अजित माधवराव गोपछड़ेः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि देश में पशुधन क्षेत्र का विनियमन, इसमें रोजगार सृजन. किसानों की आय बढ़ाने, पोषण सुरक्षा और निर्यात संवृद्धि की व्यापक क्षमता होने के बावजूद, काफी हद तक अपर्याप्त है;

(ख) क्या सरकार ने पशुधन क्षेत्र के औद्योगिक विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं और कोरिया गणराज्य तथा वानुअतु के पशुधन विकास संबंधी विधानों की जांच की है; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार राज्य सरकारों, पशु चिकित्सा परिषदों, पशु चिकित्सा संस्थानों तथा अन्य हितधारकों के परामर्श से पशुधन विकास के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय नीति अथवा विधान तैयार करने का विचार रखती है, ताकि विनियमित संवृद्धि एवं निवेश को बढ़ावा दिया जा सके, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (ग) भारत सरकार का पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) पशुधन एवं डेयरी क्षेत्र के विकास हेतु विभिन्न योजनाओं एवं नीतिगत पहलें कार्यान्वित कर रहा है। इन प्रमुख पहलों में राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM)**,** राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM)**,** पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP)**,** राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD) और पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (AHIDF) शामिल हैं। इन उपायों के फलस्वरूप इस क्षेत्र में वर्ष 2014-15 से वर्ष 2022-23 के बीच क्षेत्र में 13% की CAGR के साथ काफी अधिक वृद्धि हुई है। देश में बोवाइनों की कुल उत्पादकता में 36.63% की वृद्धि हुई है**,** जो विश्व में किसी भी देश द्वारा हासिल की गई सबसे अधिक उत्पादकता वृद्धि है। देशी और नॉन-डिस्क्रिप्ट गोपशुओं की उत्पादकता में 44.89% और भैंसों की उत्पादकता में 25.80% की वृद्धि हुई है। देश में दूध उत्पादन वर्ष 2014-15 में 146.31 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 247.87 मिलियन टन हो गया है**,** यानी पिछले 11 वर्षों में 69.41% की वृद्धि हुई है। देश में अंडा उत्पादन वर्ष 2014-15 में 78.48 बिलियन से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 149.11 बिलियन हो गया है**,** यानी 90% की वृद्धि हुई है।

पशुधन उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम**,** 2006 के अंतर्गत एक व्यापक कानूनी ढांचा पहले से ही मौजूद है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण **(**FSSAI) ने DAHD**,** राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड **(**NDDB), खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI**)** और भारतीय मानक ब्यूरो **(**BIS) के समन्वय से देश भर में दूध और दूध उत्पादों के लिए सुरक्षा**,** स्वच्छता**,** लेबलिंग और गुणवत्ता मानकों संबंधी समान विनियम अधिसूचित किए हैं। भारत सरकार**,** पशुपालन अवसंरचना विकास निधि **(**AHIDF) और राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM) जैसी योजनाओं के माध्यम से निवेश को प्रोत्साहित कर रही है**,** जिसका उद्देश्य मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करना**,** उत्पादकता बढ़ाना और बाजार पहुंच का विस्तार करना है।

****